



प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

विद्यालय तिथि दर्पण



यह उपाश्रम का परिसर है
यहाँ पर कसकर
परिश्रम किया जाता है
निशि-वासर!

यहाँ योगशाला है
प्रयोगशाला भी जोरदार!

जहाँ पर
शिल्पी से मिलता है
शिक्षण-प्रशिक्षण
क्षण-प्रतिक्षण

जिसकी भीतरी जीवन पर
पड़ता है सीधा असर!

यहाँ पर जीवन का 'निर्वाह' नहीं
'निर्माण' होता है

-मूकमाटी

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
५			१	२	३	४
१२	६	७	८	९	१०	११
१९	१३	१४	१५	१६	१७	१८
२६	२०	२१	२२	२३	२४	२५
	२७	२८	२९	३०		



९ प्रतियोगिताएँ

कविता वाचन	४थी - ५वीं
हसगुल्ले	६वीं
कागज की प्लेट	७-८वीं
तत्काल भाषण	९-१०वीं

१६ प्रतियोगिताएँ

अंगूठे से चित्र बनाना	४थी - ५वीं
फूल बनाना	६वीं
जोकर बनाना	७वीं
तोरन बनाना	८वीं
फ्रेम बनाना	९वीं

हित का सृजन, अहित का विसर्जन ही शिक्षा है ।

अपना मन,
अपने विषय में,
क्यों न सोचता ।



-श्री विद्याशास्त्र जी

मई २०२६ वैशाख-ज्येष्ठ

कार्य दिवस – ०

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
३					१	२
१०	४	५	६	७	८	९
१७	११	१२	१३	१४	१५	१६
२४	१८	१९	२०	२१	२२	२३
३१	२५	२६	२७	२८	२९	३०



ग्रीष्म-अवकाश

शिक्षा जीवन निर्वाह नहीं, जीवन निर्माण के लिए होनी चाहिए।

सद्गुणयोग,
ज्ञान का दुर्लभ है,
मद सुलभ।



—श्री विद्यानाथ जी



२६ प्रतियोगिताएँ

फैंसी ड्रेस ४थी - ६वीं
निबंध प्रतियोगिता ७-१०वीं

जिस देश की भाषा सुरक्षित है, उसकी संस्कृति भी सुरक्षित है।

ऐच्छिक प्रश्न,
अंक बढ़ाते मुख्य,
अंक दिलाते।



-आचार्य श्री विद्याशगर जी

जुलाई २०२६ आषाढ़-श्रावण

कार्य दिवस - 27



रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
५			१	२	३	४
१२	६	७	८	९	१०	११
१९	१३	१४	१५	१६	१७	१८
२६	२०	२१	२२	२३	२४	२५
	२७	२८	२९	३०	३१	



३ प्रतियोगिताएँ

भाषण प्रतियोगिता ४थी - ५वीं
मेरा शिक्षक ही मेरा आदर्श है ६वीं
रोल प्ले ७-८वीं
हाइकू बनाओ ९ वीं

२९ गुरु पूर्णिमा

शिक्षा का अंतिम फल अध्यात्म है।

खेती-बाड़ी है,
भारत की मर्यादा,
शिक्षा साड़ी है।



-श्री विद्याशगर जी

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
२						१
९	३	४	५	६	७	८
१६	१०	११	१२	१३	१४	१५
२३	१७	१८	१९	२०	२१	२२
३०	२४	२५	२६	२७	२८	२९
	३१					



२७ | प्रतियोगिताएँ
तिरंगा थीम पर सामान बनाना ४थी – ६वीं
निबंध प्रतियोगिता ७-८वीं

१५ अगस्त

२८ रक्षाबंधन

चितन, मनन, ज्ञान, विज्ञान, अध्यापन और अनुसंधान
विदेशी भाषा में अध्ययन से संभव नहीं है।

हम अधिक,
पढ़े-लिखे हैं,
कम समझदार।

—श्री आचार्य श्री विद्याशामर जी

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
६		१	२	३	४	५
१३	७	८	९	१०	११	१२
२०	१४	१५	१६	१७	१८	१९
२७	२१	२२	२३	२४	२५	२६
	२८	२९	३०			



१६ प्रतियोगिताएँ

औरिगामी ४थी -६वीं
कोलाज बनाओ ७-८वीं

५ शिक्षक दिवस

१५-२५ पर्युषण पर्व

२७ क्षमावाणी

भाषा भाव तक पहुँचने का सर्वोत्तम मार्ग है।

गुरु ने मुझे,
गुरु समय दिया,
लघु बनने।



-श्री विद्याशागर जी

अक्टूबर २०२६ आश्विन-कार्तिक

कार्य दिवस – २६



रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
४				१	२	३
११	५	६	७	८	९	१०
१८	१२	१३	१४	१५	१६	१७
२५	१९	२०	२१	२२	२३	२४
	२६	२७	२८	२९	३०	३१



२ गाँधी जयंती
२८ शरद पूर्णिमा
२९ दशहरा

१५-३ अर्द्धवार्षिक परीक्षा (४ थीं – ९ वीं)

ज्ञान चिल्लाता,
आपत्ति आने पर,
आस्था झेलती।

शिक्षा अर्थकरी नहीं, परमार्थकरी होनी चाहिए।



–आचार्य श्री विद्याशागर जी

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
१						
८	२	३	४	५	६	७
१५	९	१०	११	१२	१३	१४
२२	१६	१७	१८	१९	२०	२१
२९	२३	२४	२५	२६	२७	२८
	३०					



५ | प्रतियोगिताएँ

४थी - ६वीं

७-८वीं

९-१०वीं

९ दीपावली

सार्थक बोलो,
व्यर्थ नहीं साधना,
सो छोटी नहीं।

जीवनोपयोगी वस्तुओं का निर्माण कर सकें वही एक मात्र शिक्षा है।

—श्री विद्याशामर जी



रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
६		१	२	३	४	५
१३	७	८	९	१०	११	१२
२०	१४	१५	१६	१७	१८	१९
२७	२१	२२	२३	२४	२५	२६
	२८	२९	३०	३१		

अपने भावों को, ज्ञान को, दूसरों तक पहुँचाने के लिए माध्यम को सही रखना परम आवश्यक है, मात्र अंधानुकरण करने से काम नहीं चलेगा।

पीछे भी देखो,
पिछलबू न बनो,
पीछे रहोगे।

—शार्य श्री विद्याशागर जी



रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
३					१	२
१०	४	५	६	७	८	९
१७	११	१२	१३	१४	१५	१६
२४	१८	१९	२०	२१	२२	२३
३१	२५	२६	२७	२८	२९	३०

१३-१४ खेल दिवस

भारतीय शिक्षा का उद्देश्य स्वाध्याय, सदुपयोग, सेवा, कर्तव्य है, मात्र अर्थोपार्जन नहीं।

बिना प्रमाद,
श्वसन क्रिया सम,
पथ पे चलूँ।



—श्याचार्य श्री विद्याशामर जी

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
७	१	२	३	४	५	६
१४	८	९	१०	११	१२	१३
२१	१५	१६	१७	१८	१९	२०
२८	२२	२३	२४	२५	२६	२७



आज हमारे पास राष्ट्रीय धन है, राष्ट्रीय चिन्ह भी है, परंतु राष्ट्रीय चरित्र नहीं है । वह राष्ट्रीय चरित्र है- सत्य और अहिंसा ।

कहो न सहो,
यही परीक्षा सही,
आपे में रहो ।



—आचार्य श्री विद्याशामर जी

मार्च २०२७ फाल्गुन-चैत्र

कार्य दिवस – ०

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
७	१	२	३	४	५	६
१४	८	९	१०	११	१२	१३
२१	१५	१६	१७	१८	१९	२०
२८	२२	२३	२४	२५	२६	२७
	२९	३०	३१			



वार्षिक परीक्षा प्रारंभ

इतिहास से कभी भी किसी को अनभिज्ञ नहीं रहना चाहिए क्योंकि इतिहास आदर्श होता है भविष्य नहीं।

गुरु मार्ग में,
पीछे की हवा सम,
हमें चलाते।



—आचार्य श्री विद्याशामर जी